an>

Title: Regarding acquisition of land by the Indian Army in Badmore and Jaisalmer ---

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश का दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन हुआ और उस विभाजन के कारण से हमारा क्षेत्र सीमावर्ती क्षेत्र हो गया। जैसलमेर और बाड़मेर जिले में आजादी के बाद कई बार सेना के अभ्यास क्षेत्र बनाने के नाम पर हजारों बीघा जमीन का अवापतिकरण हुआ है। पहले भी पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज बनाने के नाम पर 22 गांवों का विस्थापन हुआ था, उस विस्थापन के बाद फिर उन गांवों को पुनः रेंज को आगे बढ़ाने के कारण उन गांवों को विस्थापित होने का दर्द सामने है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में मिलिट्री हेडक्वार्टर ने पत्र जारी किया है जिसके द्वारा जिला प्रशासन और मिलिट्री की एक कंपनी दोनों मिलकर एक सर्वे कर रहे हैं । उस सर्वे द्वारा यह तय किया गया कि जो नक्शा बनाया गया है, उसके माध्यम से 45 गांव, जिनमें तेजमालता, जेनजेनआली, चेलक, देवरा आदि गांव विस्थापित किये जायेंगे। उससे डेढ़ लाख आबादी प्रभावित होगी और उससे कहीं ज्यादा पशु प्रभावित होंगे।

महोदय, आपसे निवेदन है कि जो सींचित भूमि है, जहां खनन कार्य चल रहा है, जहां लाखों लोग निवास करते हैं और उस जिले का सबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व उसी क्षेत्र में है। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि अभाप्तिकरण की कार्यवाही को रुकवाया जाये।